Literacy for a Billion

Movie: Dosti
Year: 1964

Song: Rahi Manva
Lyricist: Majrooh Sultanpuri

दुख हो या सुख
जब सदा संग रहे ना कोय
फिर दुख को अपनाइये
के जाए तो दुख ना होय
राही मनवा दुख की चिंता
क्यूँ सताती है
दुख तो अपना साथी है
राही मनवा दुख की चिंता
क्यूँ सताती है
दुख तो अपना साथी है
सुख है इक छाँव ढलती
आती है जाती है
दुख तो अपना साथी है
राही मनवा दुख की चिंता
क्यूँ सताती है
दुख तो अपना साथी है

दूर है मंजिल दूर सही
प्यार हमारा क्या कम है
पग में काँटे लाख सही
पर ये सहारा क्या कम है
हमराह तेरे कोई
अपना तो है
हमराह तेरे कोई
अपना तो है

ओ सुख है इक छाँव ढलती
आती है जाती है
दुख तो अपना साथी है
राही मनवा दुख की चिंता
क्यूँ सताती है
दुख तो अपना साथी है

दुख हो कोई तब जलते हैं
पथ के दीप निगाहों में
इतनी बड़ी इस दुनिया की
लंबी अकेली राहों में
हमराह तेरे कोई
अपना तो है
हमराह तेरे कोई
अपना तो है
ओ ...
सुख है इक छाँव ढलती
आती है जाती है
दुख तो अपना साथी है
राही मनवा दुख की चिंता
क्यूँ सताती है
दुख तो अपना साथी है
दुख तो अपना साथी है
दुख तो अपना साथी है
दुख तो अपना साथी है

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.